ट्रेंड–सैटर

भाांति रक्षकों का सृजन

द्विमासिक संवाद पत्र, प्र"िक्षण महानिदे"ालय, के.रि.पु. बल

अंक – 6 / दिसंबर –जनवरी, 2016–17

इस अंक में

खबरें–2

संस्थान एक नजर में –3

सम्मान एवं पुरस्कार –4

संपादकीय समिति

मुख्य संरक्षक

श्री अभय, भा.पु.से.,
अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण)के.रि.पु.बल

संरक्षक

श्री अतुल करवल, भा.पु.से.,
महानिरीक्षक, (प्रशिक्षण),के.रि.पु.बल

मुख्य संपादक

भूपत सिंह चौहान
निदेशक / महानिरीक्षक,
आं.सु.अ.,माउंट आबू

संपादक

डॉ. डी.जे. सिंह
उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) आं.सु.अ.

संपादकीय सलाहकार समिति

श्री एम.पी.एस. नेगी
निदेशक / महानिरीक्षक
के.रि.पु.बल, गुरूग्राम

श्री राकेश सिंह चौहान
उप महानिरीक्षक(प्रशा.)आ.सु.अ.

श्री अशोक साम्याल
उप महानिरीक्षक, आर.टी.सी. नीमच

श्री महेश कुमार
उप महानिरीक्षक, आर.टी.सी. श्रीनगर

परिकल्पना एवं चित्रालेख

श्री पी.के. सिंह,
कमाण्डेंट, आ.सु.अ.

श्री कुलदीप सिंह
उप कमा., आ.सु.अ.

श्री संजीत कुमार पाण्डेय
सहा.कमा.,आ.सु.अ.

निरीक्षक / जी.डी. ज्ञानेश कुमार
आ.सु.अ.माउंट आबू

प्रकाशक

आन्तरिक सुरक्षा अकादमी, के.रि.पु.बल,
माउंट आबू

ईमेल: dcradisa@crpf.gov.in
फोन / फैक्स : 02974-235241

मुख्य संपादक की कलम से

मैं प्रशिक्षण निदेशालय की ओर से बल के सभी सदस्यों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए नववर्ष 2017 में उनके सुखद, शांतिपूर्ण और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। इस श्रृंखला में हम आपके लिए ''ट्रेंड सैटर'' का 6वाँ अंक प्रस्तुत कर रहे हैं। मुझे आशा है कि हम इस नव वर्ष में प्रशिक्षण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेंगे और सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करने में अग्रणी रहेंगे।

जय हिन्द ।

भूपत सिंह चौहान,
निदेशक / महानिरीक्षक,
आं.सु.अ.,माउंट आबू

आर.टी.सी. श्रीनगर

श्री के.दुर्गा प्रसाद, भा.पु.से., महानिदेशक, के.रि.पु.बल, आर.टी.सी. श्रीनगर में जवानों के साथ पारस्परिक विचार –विमर्श करते हुए।

श्री के दुर्गा प्रसाद, भा.पु.से., महानिदेशक, के.रि.पु.बल, ने दिनांक 25 दिसंबर 2016 को आर.टी.सी. श्रीनगर का भ्रमण किया और के.रि.पु.बल के अधिकारियों एवं कार्मिकों के साथ विचार–विमर्श किया एवं क्रिसमस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होने बल के कार्मिकों को प्रशंसनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र / डिस्क से भी सम्मानित किया।

सी.आई.ए.टी. स्कूल चित्तूर

श्री डी.एस. चौहान, भा.पु.से., महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सेक्टर, ने 3 जनवरी 2017 को अम्बिकापुर में स्थित सी.आई.ए.टी. स्कूल चित्तूर का भ्रमण किया।

समाचार

आर.टी.सी. नीमच में दीक्षांत परेड समारोह

श्री राजीव रंजन, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल नीमच ने मुख्य अतिथि के तौर पर, बैच नं. 234 (महिला) की दीक्षांत परेड एवम् साक्ष्यांकन समारोह की समीक्षा की।

सी.आई.ए.टी. शिवपुरी

श्री अभय, भा.पु.से., अपर महानिदेशक, प्रशिक्षण निदेशालय, ने 4 जनवरी 2017 को सी.आई.ए.टी. स्कूल शिवपुरी का भ्रमण किया और कार्मिकों एवं प्रशिक्षुओं के साथ वार्तालाप किया।

सी.आर.पी.एफ. अकादमी, गुरूग्राम

2 जनवरी 2017 से के.रि.पु.बल में पहली बार सी.आर.पी.एफ. अकादमी में, मंत्रालयिक कार्मिकों का 2 सप्ताह का टी.ओ.टी. कोर्स आरम्भ किया गया। इसमें 6 सहायक कमांडेंट (मंत्रा.), 17 निरीक्षक (मंत्रा.) एवं 13 उप निरीक्षक (मंत्रा.) सहित, 36 मंत्रालयिक कार्मिकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण संस्थाानों से संबंधित समाचार

सी.आर.पी.एफ. अकादमी, गुरूग्राम

श्री एम.पी.एस. नेगी, निदेशक/महानिरीक्षक अकादमी कादरपुर, **12** सप्ताह के फिजियोथेरेपी कोर्स के समापन समारोह में प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देते हुए।

प्रशिक्षण महानिदेशालय के मार्गदर्शन में, सी.आर.पी.एफ अकादमी, कादरपुर में, 19 सितम्बर से 15 दिसम्बर 2016 तक, 12 सप्ताह का फिजियोथेरेपी कोर्स आयोजित किया गया। इस कोर्स में के.रि.पु.बल के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से 32 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस कोर्स को डॉ. किन्जोम नगोमदिर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सहयोग से संचालित किया गया।

आर.टी.सी. श्रीनगर

शौर्य चक्र विजेता, श्री पी.आर. मिश्रा, द्वि.क.अधि.,आर.टी.सी.,के.रि.पु.बल श्रीनगर में रिकूटों के साथ युद्धक्षेत्र के अनुभव को सांझा करते हुए।

आर.टी.सी. नीमच

श्री राजनाथ सिंह, माननीय केंद्रीय गृहमंत्री, श्री डी.एस. राठौर,उप महानिरीक्षक/प्राचार्य, सी.टी.सी. नीमच को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

वर्ष 2014–15 के लिए आर.टी.सी. नीमच को सिपाही /रिकूटों को प्रशिक्षण प्रदान करने के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थान के लिए, संघ के गृह मंत्रालय की ट्रॉफी प्रदान की गई। 16 दिसम्बर 2016 को यह ट्रॉफी श्री राजनाथ सिंह, माननीय गृहमंत्री महोदय द्वारा श्री डी.एस. राठौर, उप महानिरीक्षक/प्राचार्य आर.टी.सी. नीमच को प्रदान की गई।

सी.टी.सी.कोयम्बटूर

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर, 25 जनवरी 2017 को शपथ ग्रहण समारोह ।

आ.सु.अ. माउंट आबू

वर्टिकल इंटरएक्शन कोर्स में, वामपंथ उग्रवाद गुण दोष विवेचना , क्र. सं. 2 पर शिक्षण सत्र चलता हुआ।

आंतरिक सुरक्षा अकादमी माउंट आबू ने बी.पी.आर.एण्ड डी. के सौजन्य से, वामपंथ उग्रवाद गुण दोष विवेचना, क्र. सं. 2 पर वर्टिकल इंटरएक्शन कोर्स संचालित किया। यह कोर्स 9 जनवरी 2017 से 13 जनवरी 2017 तक चला, जिसमें 15 अधिकारियों ने भाग लिया।

टी.ओ.टी.स्कूल धर्मपुर

टी.ओ.टी.स्कूल धर्मपुर में संचालित, योगा कोर्स एवं बेसिक बिगुलर कोर्स, की एक झलक।

आर.टी.सी.अमेठी

डॉ. किरण कुमार, चिकित्सा अधिकारी, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए।

सम्मान एवं पुरस्कार

प्रथम अखिल भारतीय पुलिस जुडो कलस्टर प्रतियोगिता–2016

3 से 7 जनवरी 2017 तक कोलकता में, पश्चिम बंगाल पुलिस की मेजबानी में, उपर्युक्त प्रतियोगिता में के.रि.पु.बल की जुड़ो, वूशू, जिम्नास्टिक एवं ताइक्वान्डो की सेन्ट्रल टीमों में भाग लिया।

समापन समारोह के दौरान, के.रि.पु.बल की टुकड़ी

समग्र पदक तालिका				
टीम	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
जुड़ो (पुरूष)	1	––	1	2
जुड़ो (महिला)	3	3	2	8
ताइक्वान्डो (पुरूष)	3	2	2	7
ताइक्वान्डो (महिला)	4	––	––	4
जिम्नास्टिक	1	––	––	1
कुल	12	5	5	22

प्रतियोगिता टीम	पुरूष	महिला
जुड़ो	तृतीय	विजेता
जिम्नास्टिक	द्वितीय	द्वितीय
वूशू	विजेता	विजेता
ताइक्वान्डो	विजेता	विजेता

के.रि.पु.बल के श्री मयंक श्रीवास्तव, सहा. कमां. को संपूर्ण स्पर्धा का सर्वश्रेष्ठ विजेता खिलाड़ी घोषित किया गया।

के.रि.पु.बल, महानिदेशक महोदय द्वारा 111 फिट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन

श्री के. दुर्गा प्रसाद, महानिदेशक, के.रि.पु.बल ने ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, गुरूग्राम, हरियाणा में, 111 फिट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का, उद्घाटन किया। भारत में किसी भी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल /पुलिस शिविर में, यह सबसे ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज है। इस राष्ट्रीय ध्वज का माप 20 X 30 फीट है और खंभे का भार 1.10 टन है। यह ध्वज प्रोटोकाल के अनुसार फ्लडलाईट्स से सुसज्जित है। इससे बल के कार्मिकों में प्रेरणा एवं रूझान के साथ–साथ राष्ट्रीय गर्व की भावना भी पैदा होगी।

17वीं अखिल भारतीय पुलिस लॉन टेनिस प्रतियोगिता–2016

22 दिसम्बर 2016 को, 17वीं अखिल भारतीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता – 2016, सी.एल.टी.ए.,सेक्टर– 10, चण्ड़ीगढ़ में आयोजित हुई। श्री मानस रंजन, कमांडेंट एवं श्री नदीम अहमद, कमांडेंट, 100 बटा., आर.ए.एफ.की जोड़ी ने, ओपन डबल्स टीम में बी.एस. एफ. को हराकर प्रतियोगिता जीती एवम् बल को गौरवान्वित किया ।

प्रशिक्षण निदेशालय निम्न अधिकारियों का प्रशिक्षण संस्थानों में स्वागत करता है।

श्री एन.सी.अस्थाना,भा.पु.से.,अपर महानिदेशक/निदेशक, सी.आर.पी.एफ. अकादमी

श्री पी.के.पाण्ड्रेय महानिरीक्षक/प्राचार्य, सी.आई.ए.टी. शिवपुरी

श्री जी.वी.एच. गिरी प्रसाद, महानिरीक्षक/प्राचार्य, सी.आई.ए.टी. चित्तूर

श्री सुनील सिंह, महानिरीक्षक/प्राचार्य, सी.टी.सी. नीमच

श्री मनोज कुमार दुबे, महानिरीक्षक/प्राचार्य, सी.आई.ए.टी. सिल्चर.

सी.आर.पी.एफ. अकादमी कादरपुर के निदेशक पद का उन्नयन होने के फलस्वरूप श्री एन.सी.अस्थाना, भा.पु.से., ने 23 दिसम्बर 2016 को, अपर महानिदेशक/निदेशक, सी.आर.पी.एफ. अकादमी, गुरुग्राम का कार्यभार ग्रहण किया। प्राचार्य, सी.टी.सी. के पद को भी उप महानिरीक्षक से महानिरीक्षक पर उन्नयन किए जाने के फलस्वरूप श्री प्रमोद कुमार पाण्ड्रेय, महानिरीक्षक ने दिनांक 24 दिसम्बर 2016 को सी.आई.ए.टी. शिवपुरी का कार्यभार ग्रहण किया और वे सी.आई.ए.टी. शिवपुरी का कार्यभार ग्रहण करने वाले प्रथम महानिरीक्षक बने। श्री जी.वी.एच. गिरी प्रसाद, महानिरीक्षक ने दिनांक 31 दिसम्बर 2016 को सी.आई.ए.टी. चित्तूर का कार्यभार ग्रहण किया और वे सी.आई.ए.टी. चित्तूर का कार्यभार ग्रहण करने वाले प्रथम महानिरीक्षक बने । श्री सुनील सिंह, महानिरीक्षक ने 16 जनवरी 2017 को सी.टी.सी. नीमच के प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया और वे सी.टी.सी. नीमच का कार्यभार ग्रहण करने वाले प्रथम महानिरीक्षक बने। श्री मनोज कुमार दुबे, महानिरीक्षक ने 16 जनवरी 2017 को सी.आई.ए.टी. सिल्चर का कार्यभार ग्रहण किया और वे सी.आई.ए.टी. सिल्चर का कार्यभार ग्रहण करने वाले प्रथम महानिरीक्षक बने। प्रशिक्षण निदेशालय, इन सभी को शुभकामनाएं देता है।

केंद्र बिंदु में संस्थान–आंतरिक सुरक्षा अकादमी–माउंट आबू

श्री भूपत सिंह चौहान, महानिरीक्षक/निदेशक

यह संस्थान मेजर जनरल सर एच.एम. लॉरेंस के.सी.बी. (1853 से 1857 तक राजपूताना में गवर्नर जनरल के एजेंट) ने 1849 में स्थापित किया था। प्रारम्भ में इसे लॉरेंस असाइलम नाम से पुकारा जाता था और इसके उपरांत वर्ष 1856 में इसका नाम आबू लॉरेंस स्कूल में परिवर्तित कर दिया गया। मेजर लॉरेंस का देहांत 4 जुलाई 1857 को लखनऊ में हुआ। इस स्कूल की आदर्शोक्ति (मोटो) ''कभी हार न मानो'' थी। अतंतः आबू लॉरेंस स्कूल 30 दिसम्बर 1950 को बंद हो गया। यह परिसर भारत सरकार को सौंप दिया गया और भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षण हेतु सेन्ट्रल पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज जो कि पहले आर्मी बैरेक्स में चल रहा था को यहॉ स्थानांतरित कर दिया गया। 1975 में सी.पी.टी.सी. को यहॉ से नए नामकरण सहित, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेशनल पुलिस अकादमी के रूप में, हैदराबाद में स्थानांतरित किया गया तब इसी स्थान पर आंतरिक सुरक्षा संबंधी विषयों पर अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए, के.रि.पु.बल के तत्वाधान में आंतरिक सुरक्षा अकादमी की स्थापना की गई ।

आंतरिक सुरक्षा अकादमी, देश के मुख्य एवं प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है। यहां पर भारत संघ के विभिन्न संगठनों के साथ–साथ राज्य सरकारों से आने वाले अधिकारियों को, आंतरिक सुरक्षा पर विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस अकादमी का मार्गदर्शी सिद्धांत ''**ज्ञानेन साध्यते शक्ति**'' है। इस अकादमी का ध्येय है कि पेशेवर जानकारी, कौशल एवं नजरिए की समझ पैदा की जाए और मनोभाव के महत्व एवं मानकों को विकसित कर, प्रशिक्षण से देश की बेहतर सेवा करने के लिए अधिकारियों को सक्षम बनाया जाए।

आंतरिक सुरक्षा अकादमी का ध्येय :–

आंतरिक सुरक्षा अकादमी का मुख्य ध्येय, पुलिस संगठनों के लिए स्थितिनुसार सही सोच और उन्हें सौंपे गए अन्य उत्तरदायित्व एवं कार्यों संबंधी सेवाओं को ईमानदारी, समर्पण एवं दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, लोगों की सेवा करने के लिए अधिकारियों को तैयार करना है। इस अकादमी का लक्ष्य, संस्थान के संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन सहित, गुणता प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसका प्रयास है कि प्रशिक्षुओ को पेशेवर जानकारी एवं कौशल,मनोभाव के महत्व और मानक समझाए जाएं, जिससे अधिकारी देश की बेहतर सेवा करने में सक्षम होंगे। यह अकादमी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में ''उत्कृष्टता का केंद्र'' है और अधिकारियों में उत्तरदायिता, प्रतिबद्धता, जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जवाबदेही लाने हेतु लगातार प्रयासरत है।

यह अकादमी अपने प्रशिक्षुओं को विभिन्न तकनीकों के प्रयोग द्वारा, तेजी से बदलते सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिवेश के प्रति संवेदनशील बनाती है और मानवाधिकारों के सम्मान, विधि एवं न्याय के विस्तृत लचीले परिप्रेक्ष्य, उच्च स्तरीय व्यवसायिकता, शारीरिक एवं मानसिक सजगता और विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के बारे में ज्ञान प्रदान करती है। यह अकादमी के.रि.पु.बल, केंद्रीय पुलिस संगठनों, भारतीय पुलिस सेवाओं एवं अन्य केंद्रीय/राज्य पुलिस सेवाओं के उन अधिकारियों के लिए जो आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, मुख्य आकर्षण का केंद्र है। यह अकादमी सामाजिक–आर्थिक एवं राजनीतिक वातावरण के प्रति, प्रशिक्षण परिवेश और संवेदनशीलता का विचार पैदा करने का प्रयास करती है। अकादमी राष्ट्र के आतंरिक एवम् बाह्य अकादमिक केंद्रों तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के साथ जुड़कर, अपने आधारभूत संसाधनों का विस्तार एवम् प्रशिक्षुओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को परिवर्तित कर रही है। अकादमी अपने प्रशिक्षुओं को सही नीतिगत मूल्यों एवं उपयुक्त दृष्टि के शिक्षण सहित, महत्वपूर्ण पूर्व–सक्रिय भूमिका निभा रही है। यह अकादमी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में वास्तविक प्रेरणादायक उत्कृष्टता हेतु सदैव प्रयासरत है ।

आंतरिक सुरक्षा अकादमी का प्रशासनिक खण्ड

हमारी आदर्शोक्ति

आंतरिक सुरक्षा अकादमी का **उद्देश्य :–**

अ) केंद्रीय पुलिस संगठनों, राज्य पुलिस के विभिन्न स्तर के अधिकारियों तथा कार्यकारी न्यायाधीशों के लिए आंतरिक सुरक्षा पाठयक्रमों एवं संगोष्ठियों का आयोजन करना ।
ब) के.रि.पु.बल के राजपत्रित अधिकारियों के लिए सेवाकालीन पाठयक्रमों का संचालन करना।
स) के.रि.पु.बल के चिकित्सा अधिकारियों के लिए कॉम्बाटाईजेशन पाठयक्रम का संचालन करना।
द) के.रि.पु.बल के सीधे नियुक्त राजपत्रित अधिकारियों के लिए बुनियादी पाठयक्रम का संचालन करना।

आंतरिक सुरक्षा अकादमी की भूमिका :–

क) सभी केंद्रीय एवं राज्य पुलिस संगठनों के लिए आंतरिक सुरक्षा पाठयक्रमों के आयोजन के लिए राष्ट्रीय स्तर की मुख्य अकादमी के रूप में कार्य करना।
ख) के.रि.पु.बल के शीर्ष प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करना और के.रि.पु.बल एवं अन्य पुलिस संगठनों के राजपत्रित अधिकारियों के लिए सेवाकालीन पाठयक्रमों का आयोजन करना।
ग) भारत सरकार द्वारा समय–समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर की अकादमी के रूप में, केंद्रीय पुलिस संगठनों एवं अन्य संगठनों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करना।
घ) आंतरिक सुरक्षा के मामलों में **'उत्कृष्टता का केंद्र'** के रूप में कार्य करना तथा पुलिस संबंधी विभिन्न विषयों पर अनुसंधान एवं विकास की व्यवस्था का आयोजन करना।
ड) विभिन्न आंतरिक सुरक्षा और अन्य संबंधित विषय–वस्तुओं के अध्ययन के संबंध में भण्डार गृह के रूप में कार्य करना।